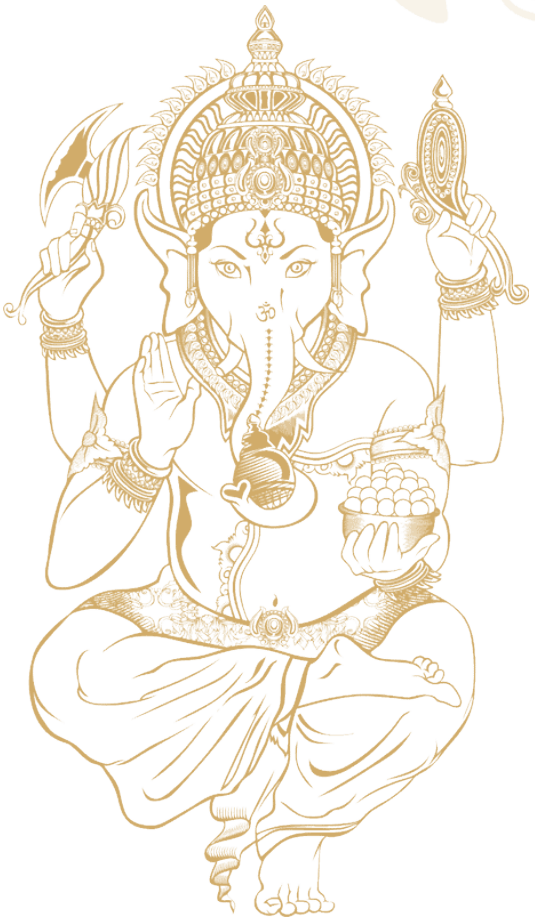

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119691910

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30-01/10/1996	जन्म तिथि	03/01/1997
सोम-मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 03:41:00	जन्म समय	17:45:00 घंटे
घटी 55:02:09	जन्म समय(घटी)	28:04:28 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Ranchi
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	23:22:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	85:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	00:11:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:40:08	सूर्योदय	06:31:12
17:35:47	सूर्यास्त	17:15:18
23:48:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:56

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 1मा 21दि	16:04:47	सिंह	लग्न	मिथु	26:44:10	मंगल 0वर्ष 5मा 19दि
राहु	14:12:13	कन्या	सूर्य	धनु	19:21:04	गुरु
22/11/2016	03:00:57	वृष	चंद्र	तुला	05:46:21	24/06/2015
22/11/2034	19:09:07	कर्क	मंगल	कन्या	06:14:18	24/06/2031
राहु 05/08/2019	26:39:29	सिंह	बुध व	धनु	15:54:22	गुरु 11/08/2017
गुरु 29/12/2021	15:10:16	धनु	गुरु	मक	01:56:08	शनि 23/02/2020
शनि 04/11/2024	02:29:06	सिंह	शुक्र	वृश्चि	27:46:18	बुध 31/05/2022
बुध 24/05/2027	09:49:57	मीन व	शनि	मीन	07:39:03	केतु 06/05/2023
केतु 10/06/2028	14:10:43	कन्या	राहु व	कन्या	08:36:17	शुक्र 04/01/2026
शुक्र 11/06/2031	14:10:43	मीन	केतु व	मीन	08:36:17	सूर्य 24/10/2026
सूर्य 05/05/2032	06:51:51	मक व	हर्ष	मक	09:35:36	चन्द्र 23/02/2028
चन्द्र 04/11/2033	01:10:25	मक व	नेप	मक	03:06:20	मंगल 29/01/2029
मंगल 22/11/2034	07:14:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	10:39:14	राहु 24/06/2031

लग्न-चलित

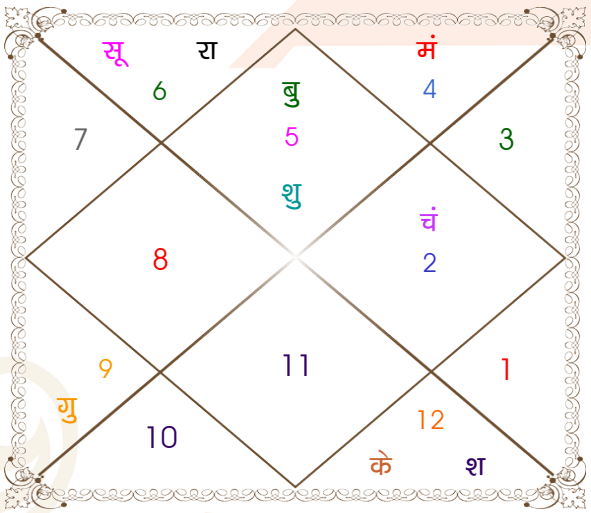

लग्न-चलित

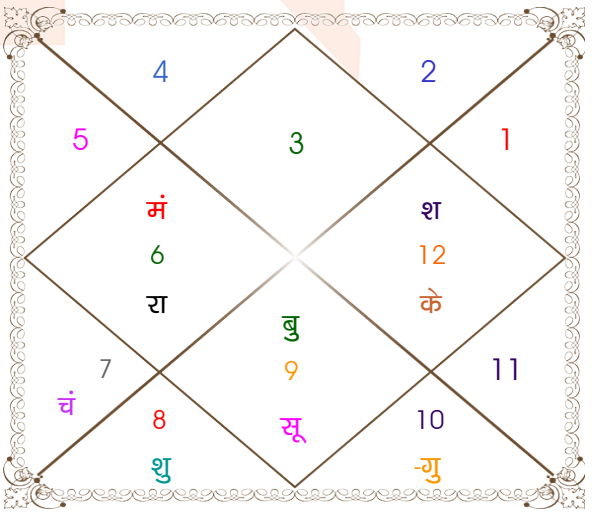

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग गरूड़ है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।